SHRI ARJUN ARORA: Sir, may I correct the hon. Member that the industries at Kanpur are not flourishing? Two of our mills have remained closed for the last six weeks.

SHRI P. C. MITRA: May I know whether it is a fact that the industrial estates in Bihar are suffering for want of raw materials and the Chief Minister of Bihar has already made a complaint about it?

SHRI BIBUDHENDRA MISRA: Shortage of raw materials is a common problem for all types of industries. It is not a problem for industrial estates only.

SHRI M. M. MEHTA: It is reported that half the number of industrial estates have been constructed at Kandla Port—half of what was originally proposed. In spite of the fact that there is a big waiting list, may I know why the other half of the industrial estates have not been constructed?

SHRI T. N. SINGH: I cannot say anything offhand, Sir, about that particular industrial estate. If I get notice, I will give the information.

GAMBLING DENS IN RAILWAY CARRIAGES

*360. PROF. SATYAVRATA SIDDHANTALANKAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn to the fact that many railway carriages on the sidings have become clandestine gambling dens in Delhi Railway station; and

(b) if so, what action Government is taking in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI RAM SUBHAG SINGH): (a) No, Sir, except through a Press report which appeared on 16th May, 1965.

(b) Carriages are normally key-locked and pad-locked and guarded by the Railway Protection Force while on sidings. The Government Railway Police also patrol the area and often make surprise visits both by day and night. As a result of this combined vigilance, 22 cases of gambling in Railway premises were detected and 83 persons sent up under the Gambling Act by the Government Railway Police during the period July, 1964 to July, 1965. None of these cases was from Railway carriages.

प्रो० सत्यव्रत सिद्धांतालंकार : श्रीमन्, मंत्री महोदय ने जो उत्तर दिया उसमें उन्होंने "नो सर" कहा है । लेकिन मई में एक रेलवे इंजिन नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की साइडिंग से कुछ गाड़ियों को लेकर प्लेटफार्म पर आया और उसमें से 100 आदमी जो शराब पीये हुए थे और जो जुआ खेल रहे थे उसमें से निकले । जब ये लोग निकले तो प्लेटफार्म पर जो लोग बैठे हुए थे उनमें भगदड़ मच गई और लोग इधर उधर भागने लगे । तो मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या यह घटना ठीक है या नहीं ? अगर ठीक है, तो यह "नो सर" कहने का क्या मतलब है ?

श्री राम सुभग सिंह : जो "नो सर" कहा है, उसका मतलब यह है कि यह बात सही नहीं है ।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : श्रीमन्, क्या इस बारे में भी जांच करायेंगे कि जितनी भी चालू पैसेंजर गाड़ियां हैं उनमें कुछ ईरानी और कुछ ऐसे ही लोग मुसाफिरों के बीच में बैठ जाते हैं और उनके साथ ताश तथा जुआ वगैरह खेलते हैं । इस तरह से वे लोग मुसाफिरों का बहुत सा रुपया छीनकर ले जाते हैं । क्यों कि ये लोग गैंग के आदमी होते हैं, इसलिये रेलवे अधिकारी भी इनके खिलाफ कोई ऐक्शन लेने से डरते हैं । तो मैं यह जानना चाहता हूं कि इस तरह की कार्यवाही को रोकने के लिए सरकार की ओर से कोई प्रबन्ध किया जायेगा ?

श्री राम सुभग सिंह : अभी थोड़े समय पहले माननीय सदस्य ने इस बारे में मुझ से सावी में कहा और हम इस बारे में पूरी तरह से तहकीकात करायेंगे ।

प्रो० सत्यव्रत सिद्धांतालंकार : श्रीमन्, जो रेलवे स्टेशन की साइडिंग है उससे 10 गज उत्तर में दिल्ली प्रदेश का क्षेत्र समाप्त हो जाता है और पंजाब प्रदेश का क्षेत्र प्रारम्भ हो जाता है । जितने भी दिल्ली के क्रिमिनल्स हैं वे पंजाब क्षेत्र में रहते हैं क्योंकि दिल्ली की पुलिस वहां पर कोई ऐक्शन उनके खिलाफ नहीं ले सकती है । इस बारे में अखबारों में भी कई बार रिपोर्ट आ चुकी है कि दिल्ली प्रदेश और पंजाब प्रदेश के बीच इस बारे में झगड़ा चल रहा है और यह झगड़ा उसी तरह का हो गया है जिस तरह का झगड़ा पाकिस्तान और हिन्दुस्तान के बीच सरहद के बारे में हो रहा है ।

श्री राम सुभग सिंह : श्रीमन्, यह सत्य चीज नहीं है क्योंकि दो महीने पहले से दिल्ली रेलवे पुलिस ने उस क्षेत्र को भी अपने मातहत ले लिया है तथा वहां पर पैट्रोलिंग का काम शुरू कर दिया है और वहां पर हिन्दुस्तान और पाकिस्तान की कोई बात नहीं है ।

श्री राम सहाय : क्या मैं माननीय मंत्री जी से यह जान सकूंगा कि अक्सर लोग चेन्ज के बहाने से लोगों से रुपया ले लेते हैं और चलती ट्रेन में से उतर जाते हैं ? क्या इस बारे में आपको कोई जानकारी है ? अगर है, तो इस प्रकार के जो लोग रेलों में इस तरह की कार्यवाही करते हैं उनके विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी तथा सतर्कता बरती जायेगी ?

श्री राम सुभग सिंह : असल में इस तरह की बातें कहीं कहीं होती हैं क्योंकि हम लोग भी मुसाफिरों की हैसियत से घूमते रहते हैं । लेकिन अच्छी सतर्कता तो यही हो सकती है कि हर एक मुसाफिर को सावधान रहना चाहिये । फिर भी बड़े बड़े स्टेशनों पर लाउडस्पीकरों के जरिये इस तरह के लोगों के बारे में ब्राडकास्ट किया जाता रहता है और सब काउण्टरों तथा बोगियों में इस तरह के लोगों के सतर्क रहने के लिए लिखा रहता है । हम भविष्य में भी इस तरह के लोगो से सतर्क रहने की कोशिश करेंगे और मुसाफिरों का भी ध्यान दिलाते रहेंगे ।

COMPLAINTS ABOUT WORSTED YARN SPINNING MILLS

*361. { SHRI JAGAT NARAIN:†
SHRI ABDUL GHANI:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state whether Government have received any complaints that worsted yarn spinning mills are not complying with the orders of the Government to supply yarn in time to permit holders?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI S. V. RAMASWAMY): Yes, Sir. Some complaints had been received and duly investigated by the Textile Commissioner. Deliveries of worsted yarn are being made in proportion to the allotment of raw wool to the spinning mills. Any cases of defaulters are dealt with by the Textile Commissioner who takes necessary penal action against them in order to enforce the deliveries.

श्री जगत नारायण : जैसा कि अभी वजीर साहिब ने बतलाया कि पीनल ऐक्शन लिया जाता है, तो मैं यह जानना चाहता हूं कि कितनी स्पीनिंग मिलों के खिलाफ इस तरह का ऐक्शन लिया गया है ?

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Jagat Narain.